मानव विकास Important Questions || Class 12 Geography Book 2 Chapter 3 in Hindi ||

एक अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 1. मानव विकास सूचकांक (2012) के संदर्भ में विश्व के देशों में भारत का कौन-सा स्थान या कोटि थी?

उत्तर : 136 वीं ।

प्रश्न 2. मानव विकास सूचकांक में भारत के किस राज्य की कोटि उच्चतम

उत्तर : केरल राज्य (0.790) – 2011

प्रश्न 3. भारत के किस राज्य में स्त्री साक्षरता निम्नतम तथा उच्चतम है?

उत्तर : निम्नतम-राजस्थान, उच्चतम–केरल

प्रश्न 4. जनसंख्या की तुलना में संसाधनों के आभाव के विषय में चिंता व्यक्त करने वाले पहले विद्वान कौन थे?

उत्तर : सर राबर्ट माल्थस।

प्रश्न 5. भारत के केंद्र, शासित प्रदेशों की उच्चतम तथा निम्नतम साक्षरता दर बताइए?

उत्तर : उच्चतम-लक्षद्वीप (92.28), निम्नतम-दादरा और नगर हवेली (77.65)

प्रश्न 6. भारत के किन राज्यों में 0-6 आयु वर्ग के बच्चों में लिंग अनुपात निम्नतम हैं?

उत्तर : पंजाब, हरियाणा

प्रश्न 7. मानव विकास क्या है?

उत्तर : मानव विकास लोगों की रूचियों व विकल्पों को विस्तृत करने तथा उनके हितों व कल्याण के स्तर को उठाने की प्रकिया है। इसके लिए स्वस्थ जीवन सर्वाधिक महत्वपूर्ण तत्व है।

प्रश्न 8. भारत के किस राज्य में स्त्री साक्षरता दर न्यूनतम है? (2011)

उत्तर : राजस्थान (52.66%)

प्रश्न 9. संयुक्त राष्ट्र ने कब सर्वप्रथम मानव विकास प्रतिवेदन प्रस्तुत किया?

उत्तर : 1990

प्रश्न 10. भारत में औसत जीवन प्रत्याश कितनी है?

उत्तर : 65 वर्ष

प्रश्न 11. भारत के वे कौन-से दो राज्य है जहां गरीबी की रेखा के नीचे रहने ___ वालों की आबादी अन्य राज्यों की तुलना में अधिक है?

उत्तर : उड़ीसा (47.15 प्रतिशत), बिहार (42.60)।

प्रश्न 12. भारत के किन दो राज्यों में पिछले दशकों में लिंगानुपात में कमी देखने को मिली?

उत्तर : हरियाणा, पंजाब

प्रश्न 13. भारत के लिए, मानव विकास रिपोर्ट कौन तैयार करता है?

उत्तर : भारत का नीति आयोग (पूर्व नाम योजना आयोग)

प्रश्न 14. मानव विकास सूचकांक में विकास के किन कारकों को आधार बनाया गया है?

उत्तर : दीर्घ आयु, शिक्षा तथा आय।

प्रश्न 15. पंजाब और हरियाणा में गरीबी घटने का मुख्य कारण क्या है?

उत्तर : कृषि उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि।

तीन अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 16. सामाजिक सशक्तिकरण मानव विकास का महत्वपूर्ण सूचक है। भारत के संदर्भ में स्पष्ट करें।

उत्तर : मानव विकास तभी सार्थक है जब मनुष्य भूख गरीबी, दासता, बंधुआ मजदूरी, निरक्षरता आदि से मुक्त हो और यह तभी संभव है जब प्रत्येक व्यक्ति को इतना समर्थ बनाया जाए कि वह इन बंधनों से मुक्त हो सके इसलिए मानव विकास को पाने के लिए समाज के सभी वर्गों को साक्षर-स्वस्थ और आत्मनिर्भर होना आवश्यक है।

प्रश्न 17. उत्तरी भारत के अधिकांश राज्यों में मानव विकास के निम्न स्तरों के तीन कारण बताइए?

उत्तर :

1) गरीबी :- पंजाब एवं हरियाणा को छोड़कर, अन्य राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, उड़ीसा, मध्य प्रदेश और असम में गरीबी के कारण मानव विकास नहीं हो पाया है। इन राज्यों में प्रति व्यक्ति आय 2000 रुपये से भी कम है।

2) निम्न साक्षरता दर :- भारत में कुल साक्षरता दर की अपेक्षा इन राज्यों में साक्षरता दर काफी कम है। साक्षरता मानव विकास को दर्शाती है इसीलिए उत्तरी भारत में राज्यों में मानव विकास सूचकांक निम्न स्तर का है।

https://www.evidyarthi.in/

3) निम्न स्वास्थ्य सुविधाएँ :- जिन राज्यों में स्वास्थ्य सुविधाएं अच्छी नहीं हैं या गरीबों की पहुंच से बाहर है। उन राज्यों में मानव विकास पर विपरीत असर पड़ता है।

प्रश्न 18. आर्थिक विकास किस तरह मानव विकास को प्रभावित करता है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : आर्थिक विकास मनुष्यों की संसाधनों तक पहुँच सुनिश्चित करता है। आर्थिक विकास को हम व्यक्ति की आय से मापते हैं। आय से ही कोई भी व्यक्ति प्राकृतिक या मानवरचित संसाधनों जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य को पा सकता है। भारत में इस क्षेत्र में काफी विभिन्नता देखने को मिलती है। महाराष्ट्र, पंजाब, गुजरात, दिल्ली जैसे राज्यों में प्रति व्यक्ति आय अधिक है जबकि उत्तर प्रदेश, बिहार, उड़ीसा में कम है। इन राज्यों में लोगों द्वारा संसाधनों के उपभोग की क्षमता में अंतर पाया जाता है। जैसे पंजाब में एक व्यक्ति एक महीने में 690 रुपये अपने ऊपर व्यय करता है। जबकि उत्तर प्रदेश एवं बिहार में यह सिर्फ 520 रूपए व्यक्ति है।

प्रश्न 19. मानव विकास सामाजिक एवं प्राकृतिक पर्यावरण से क्या संबंध है? उचित उदाहरणों द्वारा स्पष्ट कीजिए?

उत्तर : ऐसा माना जाता है कि मानव विकास की चरम स्थिति प्राप्त कर लेने पर हमें सभी समस्याओं से मुक्ति मिल सकती है। ऐसा कुछ हद तक होता भी है। मनुष्यों के रहन-सहन के स्तर में सुधार आता है लेकिन यह विकास कभी-कभी चरम सामाजिक विषमताओं को भी जन्म देता है।

- मानव विकास के क्रम में पर्यावरण पर भी विपरीत असर पड़ता है। एक तरफ जहां हम प्राकृतिक संसाधनों का अविवेकपूर्ण शोषण करते हैं वहीं दूसरी तरफ प्रदूषण भी फैलाते हैं।
- ये परिस्थितियां जैसे सामाजिक विषमता समाज में बेचैनी वर्ग संघर्ष को जन्म दे सकते हैं तथा प्रदूषण पृथ्वी के पर्यावरण को हानि पहुँचा रहा है।
- इन परिस्थितियों से बचकर ही हमें मानव विकास को सही अर्थों में उपलब्ध करने का प्रयास करना चाहिए।

प्रश्न 20. मानव विकास का एक पहलू निम्नतर मानवीय दशाओं का होना भी रहा है। जो हमारे निर्धन लोगों के सामर्थ्य में लगातार कमी का कारण बन गए हैं । इस कथन को तीन तर्क देकर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

- लोगों के सामाजिक सामर्थ्य में कमी विस्थापन और दुर्बल होते सामाजिक बंधनों के कारण हुई हैं।
- पर्यावरण प्रदूषण के कारण लोगों के पर्यावरणीय सामर्थ्य में कमी आई
- बढ़ती बीमारियों और दुर्घटनाओं के कारण लोगों के व्यक्तिगत सामर्थ्य में कमी आई है।

प्रश्न 21. आधुनिक विकास के तीन दुष्परिणाम बताइए?

उत्तर :

1) आधुनिक विकास के कारण समाज में सामाजिक अन्याय बढ़ गया है। समाज का एक वर्ग अत्यधिक सुख-सुविधाओं का भोग कर रहा है जबकि दूसरी ओर एक वर्ग अति आवश्यक सुविधाओं को भी प्राप्त करने में असमर्थता महसूस कर रहा है।

2) आधुनिक विकास के कारण प्रादेशिक असन्तुलन देखने को मिलता है। कुछ राज्य विकास की दौड़ में काफी आगे हैं जैसे केरल, पंजाब, तमिलनाडु आदि वहीं बिहार, उड़ीसा, झारखंड, उत्तरप्रदेश जैसे पिछड़े राज्य भी है।

3) आधुनिक विकास ने पर्यावरण का निम्नीकरण किया है जो अत्यन्त चिंताजनक है।

पाँच अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 22. भारत के लिए विकास अवसरों के साथ-साथ वंचनाओं का मिला-जुला थैला है। इस कथन की पुष्टि उपयुक्त तर्क देकर कीजिए।

उत्तर:

- भारत के विकसित महानगरीय क्षेत्रों के कुछ क्षेत्र ऐसे है जहाँ जनसंख्या के एक छोटे भाग की आने आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध है दूसरी ओर भारत के इन्हीं शहरों में गंदी बस्तियाँ है जहाँ अति मूल भूत आवश्यकता का भी अभाव हैं।
- भारत में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूमिहीन कृषि मजदूरों, गरीब किसान और गंदी बस्तियों में रहने वाले लोगों का एक बड़ा समूह है जो हाशिए पर है। दूसरी और चंद अमीर लोग विलासिता का जीवन जी रहे हैं।
- स्त्रियों के साथ समाज में भेदभाव हो रहे हैं इनके रूप में जनसंख्या का एक बड़ा भाग कष्ट भोग रहा हैं।
- हमने विकास के नाम पर अपनी पर्यावरणीय दशाओं का निम्नीकरण किया हैं और पारिस्थितिक संकट खड़ा कर दिया है।
- हमारा तकनीकी ज्ञान अन्य देशों के मुकाबले में कम है। हमें अभी और विकास की आवश्यकता है जिससे हम अपने प्राकृतिक संसाधनों का उचित उपयोग कर सके।

प्रश्न 23. विकास सामान्य रूप से और मानव विकास विशेष रूप से सामाजिक विज्ञानों में प्रयुक्त होने वाली एक जटिल संकल्पना है। उपयुक्त तर्कों द्वारा इस कथन को न्यायसंगत ठहराइए।

उत्तर : विकास सामान्य रूप से और मानव विकास विशेष रूप से सामाजिक विज्ञानों में प्रयुक्त होने वाली एक जटिल संकल्पना है क्योंकि युगों से यही सोचा जा रहा है कि यदि मानव विकास को एक बार प्राप्त कर लिया गया तो यह समाज की सभी सामाजिक, सांस्कृतिक तथा पर्यावरणीय समस्याओं का निदान कर पायेगी।

- मानव विकास एक ऐसी संकल्पना है जिसने एक ओर मानव जीवन की गुणवत्ता में अनेक महत्वपूर्ण सुधार किए हैं वहीं दूसरी ओर प्रादेशिक विषमताओं, सामाजिक भेदभाव, लोगों का विस्थापन, मानवीय मूल्यों का विनाश तथा पर्यावरणीय निम्नीकरण को बढ़ाया है।
- 1993 की मानव विकास रिपोर्ट में लोगों के बढ़ते सशक्तिकरण पर बल दिया गया था। रिपोर्ट ने शांति और मानव विकास लाने में नागरिक व समाज की सकारात्मक भूमिका को भी स्वीकारा।
- मानव विकास ने विश्व के सीमित संसाधनों बहुविध प्रयोगों को बढ़ाने में योगदान दिया है 18वीं सदी के बाद जनसंख्या और संसाधनों के बीच का अन्तर बढ़ा है। संसाधनों में थोड़ी वृद्धि हुई है जबकि जनसंख्या में विपुल वृद्धि हुई हैं।

प्रश्न 24. मानव विकास क्यों आवश्यक है? स्पष्ट कीजिए।

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर : लोगों के विकल्पों को बढ़ाना और जन कल्याण के स्तर को ऊँचा उठाना ही मानव विकास है। जन कलयाण से तात्पर्य दीर्घ स्वस्थ जीवन, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा व रहन-सहन के उच्च स्तर से है। इसलिए मानव विकास आवश्यक है :

- यह भौतिक पर्यावरण व संसाधनों के हितैषी है।
- यह सामाजिक अशांति को कम करने तथा राजनैतिक स्थिरता को बढ़ाने में भी सहायक हो सकता है।
- मानव विकास के सभी पक्षों का महत्वपूर्ण उद्देश्य मानवीय दशाओं को सुधारना हैं
- मानव विकास उच्चतर उत्पादकता का साधन है क्योंकि कुशल व स्वस्थ श्रमिक अधिक उत्पादन करने में सहायक होते हैं।

प्रश्न 25. भारत के विभिन्न राज्यों में संयुक्त सूचकांक मूल्य के साथ केरल (0.638) कोटिक्रम से सर्वोच्च है। इस कथन को ध्यान में रखते हुए कुछ कारकों का उल्लेख कीजिए जो इसके लिए उत्तरदाई हैं।

उत्तर : भारत को मध्यम मानव विकास दर्शाने वाले देशों में रखा गया है। 172 देशों भ में इसका 127वां स्थान है। भारत के विभिन्न राज्यों में केरल 0.638 मानव विकास सूचकांक के मूल्य के साथ कोटिक्रम में सर्वोच्च है। इसके लिए कई कारक उत्तरदायी हैं :

1) शैक्षिक उपलब्धियाँ

2) आर्थिक विकास का स्तर

3) सामाजिक परिवेश

4) सरकारी प्रयास

5) योजनाबद्ध विकास प्रारूप

प्रश्न 26. भारत में 1951-1999 की अवधि में जन्म के समय जीवन प्रत्याशा (पुरुषों व स्त्रियों) विशेष रूप से बढ़ी है। उचित कारणों की व्याख्या कीजिए :

उत्तर : कारण :-

- निरन्तर बढ़ती खाद्य सुरक्षा
- चिकित्सा व स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार ।
- अस्पतालों व स्वास्थ्य संस्थानों की बढ़ती संख्या ।
- बढ़ती साक्षरता दर व सामाजिक जागरूकता।

प्रश्न 27. भारत में स्त्री लिंगानुपात घट रहा है। यदि केरल को अपवाद मान लिया जाए तो सभी राज्यों का लिंगानुपात घट रहा है। इस कथन की समीक्षा करते हुए कारणों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : भारत में स्त्री लिंगानुपात घट रहा है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत का लिंगानुपात 940/1000 है। केरल राज्य (1084/1000) को छोड़कर अन्य सभी राज्यों का लिंगानुपात घट रहा है। दिल्ली (868/1000), पंजाब (895/1000) व हरियाणा (879/1000) जैसे राज्यों में यह सबसे चिंताजनक है जहाँ पर यह अनुपात प्रति हजार बालकों की तुलना में 900 बालिकाओं से भी नीचे हैं। इसके लिए कई कारक उत्तरदायी है:

- महिला निरक्षरता
- सामाजिक दृष्टिकोण
- पुत्र को वरीयता देना
- कन्या भ्रूण हत्या (अल्ट्रासाउंड)
- बालिका मृत्युदर का उच्च होना, लड़कियों के पोषण पर कम ध्यान देना।

https://www.evidyarthi.in/